NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class : 9th

Subject : हिंदी

Chapter : 9

Chapter Name : आदमी नामा

Q1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-

1 पहले छंद में कवि की दृष्टि आदमी के किन-किन रूपों का बखान करती हैं? क्रम से लिखिए?

2.चारों छंदो में कवि ने आदमी के सकारात्मक और नकारात्मक रूपों को परस्पर किन-किन रूपों में रखा है? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

3. 'आदमी नामा शीर्षक कविता के इन अंशों को पढ़कर आपके मन में मनुष्य के प्रति क्या धारणा बनती हैं?

4. इस कविता का कौन-सा भाग आपको सबसे अच्छा लगा और क्यों?

5. आदमी की प्रवृतियों का उल्लेख कीजिए।

Answer

1. पहले छंद में कवि की दृष्टि आदमी में निम्नलिखित रूपों का बखान करती हैः-

जैसे- बादशाह गरीब, भिखारी, मालदार एवं अमीर बहुत कमजोर, स्वादिष्ट और एक दुर्लभ भोज्य पदार्थ खाने वाला एवं दूसरे छंद में सूखी रोटी चबाने वाले व्यक्ति का भी वर्णन किया गया हैं।

2. कवि ने अपने चारों छंदों मे आदमी के सकारात्मक और नकारात्मक रूपों को परस्पर अनेक रूपों में रखा है, जैसे-कि आदमी ही राजा अथवा बादशाह है, तो उसकी प्रजा भी आदमी ही होते है। कुरान पढ़ने वाला आदमी है, तो उसे सुनने और समझने वाला भी आदमी ही हैं। अगर जूतियों की चोरी करने वाला भी आदमी है, उन जूतियों की रक्षा करने वाले अर्थात् रक्षक भी आदमी है। आदमी से प्यार करने वाला भी

aglasem.com

आदमी है, तो उस पर वार करने अर्थात् तलवार उठाने वाला भी आदमी ही है। अच्छे कार्य करने वाला भी आदमी है, तो बुरे काम करने वाला भी आदमी होता है।

3. 'आदमी नामा' शीर्षक कविता के अंशों को पढ़कर हमारे मन में मनुष्य के प्रति यह धारणा बनती है, कि व्यक्ति ही अर्थात् आदमी ही है जो अच्छा या बुरा दोनों कार्य करता है, अच्छे कार्य करने और दूसरों की भलाई करने के लिए या कारण से वह पीर और देवता के समान बन जाती हैं, पर आदमी ही मनुष्य ही जब दूसरों को दुःख या सताने का काम करने लगता है, तो वह निदां का पात्र भी बन जाता है।

4. इस कविता में संकलित चारों ही भाग या नज्में बहुत अच्छी हैं, परंतु तीसरी नज्में मुझे यह बताया है, कि आदमी ही आदमी से प्रेम करता है, और उस पर अपनी जान भी न्योछावर करने को तैयार हो जाता हैं। और वह भी मनुष्य ही हैं, जो किसी को तकलीफ़ या मुसीबत में देखकर दौंड़ता हुआ आता है, और उसकी मदद करता हैं।

5. इस संसार में अनेक प्रकार की प्रवृतियों के मनुष्य होते हैं, इनमें कोई मस्जिद जाकर कुरान पहने वाले, कुरान को समझने वाले, मस्जिद बनाने वाले लोग होते हैं, तो उसी मस्जिद में कुरान को पढने वालों के साथ-साथ या उसके अलावा जूतियाँ चुराने वाले लोग भी रहते हैं। एक तरफ दूसरों पर जान देने वाले लोग है, तो वहीं दूसरी तरफ तलवार से जान लेने वाले लोग होते है, वहीं दूसरी ओर बेहज्जती करने वाले लोग भी होते हैं।

aglasem.com

Page : 85 , Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-

निम्नलिखित अंशों की व्याख्या कीजिएः-

Q1. दुनिया में बादशाह है सो है वह भी आदमी

और मफ़लिस-ओ-गदा है सो है वो भी आदमी

Q2. अशराफ़ और कमीने से ले शाह ता वज़ीर

ये आदमी ही करते हैं सब कारे दिलपज़ीर

Answer

1. इन पंक्तियों में कवि ने मनुष्य के अलग-अलग स्वरूपों के विषय में बात की है। इसमें यह बताया है कि चाहे इंसान बादशाह हो या बिलकुल गरीब हो रहता वह मनुष्य ही है।
2. इन पंक्तियों में कवि मनुष्यों के अलग-अलग स्वभाव की चर्चा करते हुए कहते हैं कि कोई बड़ा ही सीधा व सरल होता है, पर कुछ बड़े ही चालाक किस्म के होते हैं। चाहे बादशाह हो या बजीर सब अपने-अपने मन से ही काम करते है।

Page : 85 , Block Name : निम्नलिखित अंशों की व्याख्या कीजिएः-

Q निम्नलिखित में अभिव्यक्त व्यंग को स्पष्ट कीजिएः-

1. पढ़ते हैं आदमी ही क़ुरआन और नमाज़ यां
और आदमी ही उनकी चुराते हैं जूतियाँ
जो उनको ताड़ता है सो है वो भी आदमी।

2. पगड़ी भी आदमी की उतारे है आदमी
चिल्ला के आदमी को पुकारे है आदमी
और सुनके दौड़ता है सो है वो भी आदमी।

aglasem.com

Answer 1. इन पंक्तियों में कवि मनुष्य के अलग अलग पाए जाने वाले रूपों पर कटाक्ष कर रहे हैं। वह कहते है एक ही मस्जिद में नमाज पढ़ने वाला हो या सुननेवाले सब आदमी ही होते है। जो चप्पल चुराता है वह भी मनुष्य और चुराने वाले पर नजर रखने वाला भी मनुष्य अर्थात् एक ही जगह पर स्वभावों की भिन्नता देखने को मिलती है।

2. इन पंक्तियों में मनुष्य के दो स्वरूपों को दर्शाया हैं। एक ओर कुछ व्यक्ति ऐसे होते हैं जो दूसरों की इज़्ज़त उछालने में लगे रहते है। वहीं दूसरी ओर कुछ लोग हमेशा जरूरत मंदों की सहायता के लिए

अग्रसर रहते है। इसका अर्थ है हर व्यक्ति का स्वभाव अलग होता है।

Page : 86 , Block Name : निम्नलिखित में अभिव्यक्त व्यंग को स्पष्ट कीजिएः-

Q नीचे लिखे शब्दों का उच्चारण कीजिए और समझिए कि किस प्रकार नुक्ते के कारण उनमें अर्थ परिवर्तन आ गया है।

राज़ (रहस्य) फ़न (कौशल)

राज (शासन) फन (साँप का मुहँ)

ज़रा (थोड़ा) फ़लक (आकाश)

जरा (बुढ़ापा) फलक (लकड़ी का तख्ता)

ज़ फ़ से युक्त दो-दो शब्दों को और लिखिए।

Answer -

1) वज़ीर 2)
2) ज़मीन
3) फर्ज़
4) फ़क्र
5) वफ़ादार

aglasem.com

Page : 86 , Block Name : नीचे लिखे शब्दों का उच्चारण कीजिए और समझिए कि किस प्रकार नुक्ते के कारण उनमें अर्थ परिवर्तन आ गया है।

Q निम्नलिखित मुहावरों का प्रयोग वाक्यों में कीजिए –

(क) टुकड़े चबाना

(ख) पगड़ी उतारना

(ग) मुरीद होना

(घ) जान वारना

(ङ) तेग मारना

Answer.

(क) टुकड़े चबाना - जो मेहनत नहीं करते उन्हें दूसरों के टुकड़े चबाने पड़ते हैं |

(ख) पगड़ी उतारना - हमें दूसरों की इज़्ज़त करना चाहिए न कि पगड़ी उतारने की नहीं सोचना चाहिए |

(ग) मुरीद होना - विदेशी भी भारतीय संस्कृति के मुरीद है |

(घ) जान वारना - सच्चे देशभक्त हमेशा देश के लिए जान वारने को तैयार रहते हैं |

(ङ) तेग मारना - पुलिस ने चोर को तेग मारकर पकड़ लिया |

Page : 86 , Block Name : प्रश्न-अभ्यास

Q योग्यता विस्तार

1.अगर 'बंदर नामा' लिखना हो तो आप किन-किन सकारात्मक और नकारात्मक बातों का उल्लेख करेंगे |

Answer. छात्र स्वयं करें |

Page : 86 , Block Name : योग्यता विस्तार

aglasem.com